



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 269]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 16, 2004/कार्तिक 25, 1926

No. 269]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 16, 2004/KARTIKA 25, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महाविदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 2004

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जनवादी गणराज्य, कोरिया गणराज्य, ताइवान तथा ब्राजील से 3000 से 4000 आणविक भार वाले फ्लेक्सिबल स्लैबस्टॉक पॉलियोल के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/4/2003-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

2. जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गयी है:-

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत मै0 मनाली पेट्रोकेमिकल्स लि0 मनाली, चेन्नई जो घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करती है, से एक लिखित याचिका प्राप्त की थी जिसमें चीन जनवादी गणराज्य, कोरिया गणराज्य, ताइवान (जिसे एतद्पश्चात चीनी ताईपेई कहा गया है) तथा ब्राजील (उक्त चार देशों इसमें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 3000 से 4000 आणविक भार वाले फ्लेक्सिबल पॉलियोल (जिसे इसमें इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

(ii) प्राधिकारी ने उक्त नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरूआत की कार्यवाही से पहले भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को कथितरूप से पाटन के संबंध में प्राप्त याचिका के बारे में सूचित किया।

- (iii) प्राधिकारी ने दिनांक 21 मई, 2003 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया जिसमें सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के अध्याय शीर्ष/उपशीर्ष 3907.20, 3907.99 और 3907.91 के अंतर्गत शामिल 3000 से 4000 तक आणविक भार वाले फ्लेक्सिबल स्लैबरस्टॉक पोलियॉल के आयात के संबंध में पाटनरोधी कार्यवाही शुरू की गयी है।
- (iv) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों एवं शिकायतकर्ताओं को उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति अग्रेषित की और उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का एक अवसर प्रदान किया।
- (v) उपर्युक्त नियम 6 के उप-नियम (3) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों एवं भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को याचिका की एक प्रति प्रदान की।
- (vi) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) और वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एण्ड एस) से अनुरोध किया गया था कि वह संबद्ध माल के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करें।
- (vii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका के अगोपनीय अंश की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को प्रदान की।
- (viii) नियम 6(2) के अनुसार, संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना इस अनुरोध के साथ अग्रेषित की थी कि वह अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। संबंधित दूतावासों को निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की एक-एक प्रति भी भेजी गयी थी।
- (ix) भारत में संबद्ध माल के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं (प्रारंभिक जांच परिणाम के ब्यौरों के अनुसार) को नियम नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने हेतु एक प्रश्नावली भेजी गयी थी।
- (x) प्राधिकारी ने 11 दिसम्बर, 2003 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित किया और हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया कि वे इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत कराएं।
- (xi) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों का प्रारंभिक जांच परिणाम की एक प्रति इस अनुरोध के साथ अग्रेषित की कि वह संबद्ध माल के निर्यातकों/उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऊपर निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दें।
- (xii) प्राधिकारी ने भारत में सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उन निर्यातकों जिन्होंने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया था, आयातकों को प्रारंभिक जांच परिणाम की एक प्रति अग्रेषित की गयी थी और उनसे अनुरोध किया गया था कि वे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करें।
- (xiii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों को 17.2.2004 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। अपने विचार रखने वाले सभी पक्षों को उनके द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पक्षों को विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त कर उन पर खण्डन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने की सलाह दी गयी थी।
- (xiv) प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उन्हें हितबद्ध पार्टियों को देखने के लिए खुला रखा।

- (xv) प्रारंभिक जांच परिणामों की घोषणा करने से पूर्व हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों जिन्हें अधिसूचित प्रारंभिक जांच परिणामों में प्रकाशित किया गया है, की संक्षिप्तता के कारण पुनरावृत्ति नहीं की गयी है। तथापि, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्कों पर बाद में प्रकटन विवरण और इन जांच परिणामों में उचित कार्रवाई की गयी है।
- (xvi) उपर्युक्त नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए जिन आवश्यक तथ्यों/आधार पर विचार किया गया था उनका प्रकटीकरण 13 अक्टूबर, 2004 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों पर उचित विचार किया गया है।
- (xvii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर आमतौर से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत और निर्माण एवं बिक्री लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग का मौके पर सत्यापन करने (जैसा आवश्यक समझा गया) समेत लागत की जांच की।
- (xviii) प्राधिकारी ने निर्यातक मैसर्स के एस सी क० लि०, कोरिया द्वारा प्रस्तुत सूचना का मौके पर सत्यापन किया।
- (xix) इस अधिसूचना में *** चिह्न से हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गयी सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत इसे प्राधिकारी ने गोपनीय ही माना है।
- (xx) इस जांच में 1 अप्रैल, 2002 से 31 दिसम्बर, 2002 तक की अवधि शामिल है। क्षति विश्लेषण में दो पूर्ववर्ती वर्ष 2000-01, 2001-02 और जांच अवधि शामिल है।
- (xxi) जांच आरंभ करने संबंधी सूचना और प्रारंभिक जांच परिणामों की प्रतियां भी फिक्की, सी आई आई, एसोचेम इत्यादि को व्यापक परिचालन हेतु भेजी गयी थीं।

ख. याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार और प्राधिकारी द्वारा जांच

3. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर प्रारंभिक जांच परिणामों और प्रकटन विवरण में विचार किया गया है। जिन विचारों पर प्रारंभिक जांच परिणामों और प्रकटन विवरण में पहले विचार नहीं किया गया है; उन पर नीचे के संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार किया गया है जिस सीमा तक वे नियमानुसार संगत हैं और इस मामले पर उनका प्रभाव है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तर्कों की जांच की गयी है, उन पर विचार किया गया है और जहां उचित समझा गया है वहां इसके पश्चात् नीचे के संगत पैराग्राफों में कार्रवाई की गयी है।

4. प्रारंभिक जांच परिणामों की अवस्था में निम्नलिखित से उत्तर प्राप्त हुए थे:-

निर्यातक:

- (i) मैसर्स एस के सी क० लि०, कोरिया

- (ii) मैसर्स डो क्यूमिका एस.ए., ब्राजील
- (iii) मैसर्स जिन दुआ कैमिकल्स (ग्रुप) कारपोरेशन, चीन
- (iv) मैसर्स बेयर पोलियूरियान्स, ताईवान

आयातक:

- (i) मैसर्स शीला फोम प्रा० लि०, गाजियाबाद
- (ii) मैसर्स जॉय फोम प्रा० लि०, चेन्नई
- (iii) मैसर्स स्टॉर फोम प्रा० लि०, चेन्नई
- (iv) मैसर्स पोलियूरियान्स एशोसिएशन ऑफ इण्डिया, गाजियाबाद

प्रारंभिक जांच परिणामों और सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात् निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किए हैं -

- (i) धरेलू उद्योग
- (ii) मैसर्स डो क्यूमिका - एस.ए., ब्राजील - निर्यातक
- (iii) मैसर्स एस के सी क० लि०, सिओल, कोरिया - निर्यातक
- (iv) कोरिया गणराज्य की सरकार - अपने दूतावास के माध्यम से
- (v) ब्राजील गणराज्य की सरकार - अपने दूतावास के माध्यम से ।

विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुरोधों पर प्रारंभिक जांच परिणामों में कार्रवाई की गयी है और उनकी पुनरावृत्ति संक्षिप्तता के कारण नहीं की जा रही है ।

5. विचाराधीन उत्पाद

इस जांच में विचाराधीन उत्पाद 3000 से 4000 आणविक भार का लचीला स्लेबस्टॉक पॉलियोले है (जिसे बाद में संबद्ध वस्तु कहा गया है) । उत्पाद का उपयोग लचीले स्लेबस्टॉक फोम के उत्पादन में किया जाता है । यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क शीर्ष 3907.20 के अंतर्गत आता है तथा इसकी अध्याय शीर्ष 3907.99 तथा 3907.91 के अंतर्गत भी निकासी की जाती है । तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है तथा वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी स्थिति में बाध्यकारी नहीं है । विचाराधीन उत्पाद संबंधी कोई भी तर्क नहीं दिया गया है । प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों में यथा विचारित विचाराधीन उत्पाद की पुष्टि करते हैं ।

6. समान वस्तु

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच कोई अंतर नहीं है । उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा भारत में विनिर्मित संबद्ध उत्पाद वाणिज्यिक तथा तकनीकी रूप से आयातित उत्पाद से प्रतिस्थापनीय है और इसलिए समान वस्तु संबंधी सभी शर्तें पूरी करती हैं । इस दावे के विरोध में कोई तर्क नहीं है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि धरेलू उद्योग 3000 से 4000 आणविक भार के लचीले स्लेबस्टॉक पॉलियोले का उत्पादन करता है ।

प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे माल के समान एक समान वस्तु है।

7. घरेलू उद्योग

मै0 मनाली पेट्रोकेमिकल्स लि0 चेन्नई द्वारा याचिका प्रस्तुत की गयी है। याचिकाकर्ता कंपनी भारत में 3000 से 4000 आणविक भार के लचीले स्लेवस्टॉक पॉलियोल की एकमात्र उत्पादक है। इसलिए वे संबद्ध वस्तु के 100 प्रतिशत घरेलू उत्पादन का प्रतिनिधित्व करते हैं। उसकी स्थिति के विरोध में कोई तर्क नहीं दिया गया है इसलिए प्राधिकारी मानते हैं कि मै0 मनाली पेट्रोकेमिकल्स लि0 नियमावली के नियम 2 (ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है।

8. अगोपनीय सूचना प्रस्तुत करना:

घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया था कि निर्यातक मैसर्स एस के सी क0 लि0, कोरिया के उत्तर के अगोपनीय अंश अपर्याप्त हैं और ऐसी कोई सूचना अथवा आंकड़े नहीं हैं जिन पर उनके द्वारा टिप्पणी की जा सके। प्राधिकारी को पता चला है कि निर्यातक ने अगोपनीय उत्तर प्रस्तुत किया था जिसमें सामान्य सूचना, बिक्रियों, कीमत संरचना और बिक्री व्यवस्था, लेखांकन प्रणाली और नीतियों के संबंध में उत्तर का सारांश निहित है। निर्यातक ने 1 से 9 तक के विभिन्न परिशिष्टों में निहित सूचना को गोपनीय माना है। चूंकि यह सूचना बिक्रियों, समायोजनों, वास्तविक कीमतों, उत्पादन लागत से संबंधित है इसलिए इनको गोपनीय माना गया है। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के तर्कों को वैध नहीं मानते हैं।

9. जांच शुरू करने के लिए आवेदन में अपर्याप्त और गलत सूचना :

निर्यातक द्वारा यह तर्क दिया गया है कि कथित पाटन के बारे में घरेलू उद्योग का दावा परिकलित सामान्य मूल्य पर आधारित है। पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के महत्वपूर्ण मुद्दों संबंधी सूचना पर्याप्त आंकड़ों पर आधारित नहीं है। साक्ष्य रहित अभियोगों और अविश्वसनीय आंकड़ों के आधार पर पाटनरोधी जांच की शुरुआत करना कानूनन अनुचित है।

प्राधिकारी ने इन तर्कों की जांच की है और यह मालूम हुआ है कि शीर्ष 3907.20, 3907.91 और 3907.99 के अंतर्गत पॉलियोल के आयातों पर डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़े केवल फ्लेक्सिबल स्लेवस्टॉक पॉलियोल के आयातों के लिए आबद्ध नहीं हैं। इस शीर्ष के अंतर्गत पॉलियोल के अन्य ग्रेडों जैसे रीजिड, माल्डेड और अन्य विशिष्ट उत्पादों का भी आयात किया जाता है। अतः इस मामले में डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों पर निर्भर रहना उचित नहीं होगा। इसलिए गौण स्रोतों पर आधारित सूचना को अधिक उचित समझा गया था। गौण स्रोतों से प्राप्त सूचना की पुष्टि कर ली गयी है और उसे कोरिया के निर्यातक और अन्य आयातकों से प्राप्त सूचना से पूरा कर लिया गया है। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध संबंधी सूचना की अपर्याप्तता और यथार्थहीनता के तर्क को जांच शुरुआत की अवस्था में विश्वसनीय नहीं पाया है। याचिकाकर्ता ने संबद्ध माल के आयातों की उन मात्राओं के बारे में सूचना प्रस्तुत की थी जिनका आवेदन करने की अवस्था में उचित आकलन किया जा सकता था। संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य संबंधी आकलन संबद्ध देशों में संबद्ध माल की उत्पादन लागत के बारे में उपलब्ध उचित सूचना के आधार पर परिकलित सामान्य मूल्य से संबंधित सूचना के आधार पर था।

ग. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन संबंधी दावों की जाँच

10. संबंधित देशों के दूतावासों, निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जाँच शुरूआत संबंधी सूचना एवं प्रारम्भिक जाँच परिणाम की एक प्रति भेजी गयी थी, जैसा कि प्रारंभिक जाँच परिणाम में प्रकाशित किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तु के निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं। निम्नलिखित निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुए थे:-

- (i) मै0 एसकेसी कं0 लि0, कोरिया
- (ii) मै0 डो क्विमिका एस.ए., ब्राजील
- (iii) मै0 जिन हुआ केमिकल्स (ग्रुप) कॉर्पोरेशन, चीन
- (iv) मै0 बेयर पालीयूरेथेन्स, ताइवान

तथापि, केवल मै0 एसकेसी कं0 लि0 कोरिया ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया था जिससे प्राधिकारी द्वारा कोरिया गणराज्य के सत्यापन दौरे के समय सत्यापित भी किया गया था। दूसरे निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया था और उन्हें असहयोगी माना गया है।

प्रारंभिक जाँच परिणामों एवं सार्वजनिक सुनवाई के बाद निम्नलिखित से टिप्पणियाँ प्राप्त हुई थी:-

- (i) घरेलू उद्योग
- (ii) मै0 डो क्विमिका-एसए, ब्राजील - निर्यातक
- (iii) मै0 एसकेसी कं0 लि0 सिओल, कोरिया - निर्यातक
- (iv) कोरिया गणराज्य की सरकार - उनके दूतावास के माध्यम से
- (v) ब्राजील गणराज्य की सरकार - उनके दूतावास के माध्यम से

घरेलू उद्योग के अलावा, किसी भी हितबद्ध पार्टी ने प्रकटन विवरण पर कोई टिप्पणी नहीं की है। सभी हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिये गये सभी तर्कों की परवर्ती पैराग्राफों में प्राधिकारी ने जांच से संगत सीमा तक विधिवत जाँच की है।

11. ब्राजील के लिए सामान्य मूल्य

ब्राजील के लिए सामान्य मूल्य के बारे में प्राधिकारी प्रारंभिक जाँच परिणामों का स्मरण करते हैं। ब्राजील के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने उत्पादन लागत, घरेलू बिक्री कीमत, समायोजन आदि से संबंधित सूचना देते हुए प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया था। केवल ब्राजील से मै0 डो क्विमिका (डो) ने क्षति के विषय में कुछ विवरण दिए थे। प्राधिकारी ने ब्राजीलियाई उत्पादकों/निर्यातकों को असहयोगी माना। प्रारंभिक जाँच परिणामों में प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर परिकलित उत्पादन लागत पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया था जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय सूचित एवं यथोचित रूप से उपलब्ध लागत के अन्य घटकों के अनुसार मुख्य कच्चे माल प्रोपाइलीन की लागत शामिल थी। प्रारंभिक जाँच परिणामों के बाद ब्राजीलियाई सरकार ने यह तर्क दिया है कि करार के अनुच्छेद 12.2 के अन्तर्गत यथापेक्षित प्रारंभिक जाँच परिणामों में सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की पुष्टि हेतु प्रयोग की गयी प्रणाली के लिए कारणों की पूर्ण

व्याख्या नहीं दी गयी है। ऐसी सूचना के अभाव में प्रयोग की गयी प्रणाली का आकलन करना कठिन है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की पुष्टि के लिए प्रयोग की गयी प्रणाली की पूर्ण व्याख्या के अभाव में, करार के अनुच्छेद 2.4 में दिये गये "निष्पक्ष तुलना" संबंधी प्रावधान के अनुपालन का आकलन संभव नहीं था।

प्राधिकारी ने इन तर्कों पर विचार किया और यह पाया कि ब्राजीलियाई निर्यातकों के सहयोग के अभाव में अनुबंध-11 के साथ पठित अनुच्छेद 6.8 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध तथ्यों का आश्रय लेना न्यायसंगत था। ब्राजील में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री कीमत से संबंधित सूचना एवं ब्राजील से अन्य देशों को निर्यात ब्राजीलियाई उत्पादकों की उत्पादन लागत संबंधी साक्ष्य के अभाव में प्राधिकारी ने मूल देश में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के उचित आकलन जमा प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य लागत और लाभ के लिए एक उचित राशि के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करना उचित समझा। आवेदक ने इस संबंध में अपने आवेदन में सूचना प्रदान की थी। प्राधिकारी ने एशियन केमिकल न्यूज में प्रकाशित कीमत के आधार पर यूएस क्षेत्र के लिए जाँच अवधि के दौरान मुख्य कच्चे माल प्रोपाइलीन की लागत पर विचार किया था। अन्य कच्चे मालों की लागत, उपयोग, बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों को घरेलू उद्योग की सत्यापित सूचना के आधार पर लिया गया है। *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन के सामान्य मूल्य पर पहुँचने के लिए एक उचित लाभ मार्जिन को जोड़ा गया है।

12. ब्राजील के लिए निर्यात कीमत

ब्राजील के किसी भी निर्यातक ने निर्यात कीमत के संबंध में सूचना नहीं दी है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त निर्यात कीमतों से संबंधित सूचना पर विचार किया है जो कि मै० इन्टरनेशनल डाटा सर्विसेज, मुम्बई से प्राप्त अगोपनीय याचिका में दिये गये डाटा पर आधारित है। ब्राजील से निर्यात कीमत की पुष्टि आयातकों द्वारा दी गयी सूचना से होती है। औसत सीआईएफ कीमत से समायोजन समुद्री भाड़ा और बीमा के लिए किया गया है। निवल निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर/मी० टन बनती है।

13. चीन जन० गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य

चीन के लिए सामान्य मूल्य के बारे में प्राधिकारी प्रारंभिक जाँच परिणामों का स्मरण करते हैं। चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने उत्पादन लागत, घरेलू बिक्री कीमत एवं समायोजन इत्यादि से संबंधित सूचना देते हुए प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया था। चीन से केवल मै० जिन हुआ केमिकल्स ने घरेलू बिक्री के बीजक (चीनी भाषा में) और अभिकरण करार इत्यादि के संबंध में कुछ सूचना दी थी। उत्पादन लागत संबंधी सूचना के अभाव में प्रदत्त सूचना का उपयोग सामान्य मूल्य के निर्धारण में नहीं किया जा सका। प्राधिकारी चीन के उत्पादकों/निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं। प्रारंभिक जाँच परिणामों में प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रदत्त साक्ष्यों के आधार पर परिकल्पित उत्पादन लागत पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया था जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका और उचित रूप से उपलब्ध लागत के अन्य कारकों के अनुसार मुख्य कच्चे माल प्रोपाइलीन की लागत शामिल थी। प्रारंभिक जाँच परिणामों के बाद चीन के किसी उत्पादक/निर्यातक द्वारा सूचना प्रदान नहीं की गयी है। प्रकटन विवरण के जवाब में घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के निर्यातक के उत्तर के अभाव में, प्राधिकारी चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने और ऐसी अर्थव्यवस्था के निमित्त विशिष्ट प्रावधानों के अन्तर्गत सामान्य मूल्य का निर्धारण करें।

प्राधिकारी ने यह पाया है कि चीन के निर्यातकों के सहयोग के अभाव में अनुबंध-॥ के साथ पठित अनुच्छेद 6.8 के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का सहारा लेना न्यायोचित था। इसके अतिरिक्त चीन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने गैर बाजार अर्थव्यवस्था की शर्तों के खण्डन हेतु कोई जवाब नहीं दिया है। आवेदक ने अपने आवेदन में परिकलित सामान्य मूल्य के बारे में सूचना प्रदान की थी।

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-2 कुछ अन्य उपयुक्त आधार पर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की अनुमति है। तदनुसार, प्राधिकारी ने एशियन केमिकल न्यूज में छपी कीमत के आधार पर उत्तर पूर्वी एशिया क्षेत्र के लिए जाँच अवधि के दौरान मुख्य कच्चे माल प्रोपाइलीन की लागत पर विचार किया है। अन्य कच्चे मालों की लागत, प्रयोग, बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों को घरेलू उद्योग की सत्यापित सूचना के आधार पर लिया गया है। *** अमरीकी डालर प्रति मी0 टन के सामान्य मूल्य पर पहुँचने के लिए एक उपयुक्त लाभ मार्जिन जोड़ा गया है।

14. चीन जनवादी गणराज्य से निर्यात की कीमत

चीन जनगण0 के किसी भी निर्यातक द्वारा निर्यात कीमत के संबंध में सूचना नहीं दी गई है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त निर्यात कीमत संबंधी सूचना पर विचार किया है जो कि अगोपनीय याचिका में किए गए उल्लेखानुसार मै0 इन्टरनेशनल डाटा सर्विसेज, मुम्बई से लिए गये डाटा पर आधारित है। औसत सीआईएफ कीमत से समायोजन समुद्री भाड़ा और बीमा के लिए किया गया है। निवल निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर/मी0टन बनती है।

15. चीनी-ताइपेई के लिए सामान्य मूल्य

चीनी-ताइपेई के लिए सामान्य मूल्य के बारे में प्राधिकारी प्रारंभिक जाँच परिणामों का स्मरण करते हैं। चीनी-ताइपेई के निर्यातकों/उत्पादकों में से किसी ने भी उत्पादन लागत, घरेलू बिक्री कीमत और समायोजनों इत्यादि से संबंधित सूचना देते हुए प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया था। चीनी-ताइपेई से केवल मै0 बेयर पोलीयूरेथेन्स ने कुछ सामान्य टिप्पणियाँ दी थीं। सामान्य मूल्य के निर्धारण से संबंधित किसी सूचना के बिना प्राधिकारी ने चीनी ताइपेई के उत्पादकों/निर्यातकों को असहयोगी माना है। प्रारंभिक जाँच परिणामों में प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रदत्त साक्ष्यों के आधार पर परिकलित उत्पादन लागत पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया था जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में सूचित और उचित रूप से उपलब्ध लागत के अन्य घटकों को के अनुसार मुख्य कच्चे माल प्रोपाइलीन की लागत शामिल थी। प्रारंभिक जाँच परिणामों के बाद किसी उत्पादक/निर्यातक ने सूचना प्रदान नहीं की है।

प्राधिकारी ने यह पाया है कि चीनी-ताइपेई के निर्यातकों के सहयोग के अभाव में, अनुबंध-॥ के साथ पठित अनुच्छेद 6.8 के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का सहारा लेना न्यायोचित था। चीनी ताइपेई में सम्बद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री से संबंधित सूचना एवं चीनी ताइपेई से अन्य देशों को निर्यात संबंधी साक्ष्य के अभाव में, प्राधिकारी ने चीनी-ताइपेई के उत्पादकों की उत्पादन लागत के लिए मूल देश में सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के उचित आकलन जमा प्रशासन, बिक्री एवं सामान्य लागत और लाभ के लिए एक उचित राशि के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करना

उपयुक्त समझा। आवेदक ने इस संबंध में अपने आवेदन में सूचना प्रदान की थी। प्राधिकारी ने एशियन केमिकल न्यूज में प्रकाशित कीमत के आधार पर उत्तर-पूर्वी एशिया क्षेत्र के लिए जाँच अवधि के दौरान मुख्य कच्चे माल प्रोपाइलीन की लागत पर विचार किया था। अन्य कच्चे मालों की लागत, प्रयोग, बिक्री सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च घरेलू उद्योग की सत्यापित सूचना के आधार पर लिये गये हैं। *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन के सामान्य मूल्य पर पहुँचने के लिए एक उपयुक्त लाभ मार्जिन जोड़ा गया है।

16. चीनी ताइपेई के संबंध में निर्यात कीमत

चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातकों ने निर्यात कीमत के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की है। प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना पर विचार किया है जो अगोपनीय याचिका में किये गये उल्लेख के अनुसार मी० इन्टरनेशनल डाटा सर्विसेज, मुम्बई से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है। समुद्री भाड़े एवं बीमा के लिए औसत सीआईएफ कीमत में से समायोजन किये गये हैं जिनकी अनुमति प्रदान की गयी है। निकाली गयी निवल निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन बनती है।

17. कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य

मी० एस०के०सी कं० लि० कोरिया ने घरेलू बिक्री, भारत को निर्यात, समायोजन, बिक्री कीमत संरचना, उत्पादन लागत आदि के संबंध में प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत की थी। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना का मौके पर सत्यापन किया था।

कम्पनी ने जाँच अवधि अर्थात् अप्रैल-दिसम्बर, 2002 के दौरान फ्लैक्सिबल स्लैब स्टॉक पालिऑल के *** मी० टन की बिक्री के बारे में सूचना प्रस्तुत की थी। निर्यातक ने छूट, अन्तर्देशीय भाड़े, भण्डारण, विज्ञापन, तकनीकी सेवा, बिक्री संवर्धन एवं ऋण के लिए घरेलू बिक्री कीमत में से समायोजन दर्शाये थे।

छूट, अन्तर्देशीय भाड़े, भण्डारण, विज्ञापन, तकनीकी सेवा, बिक्री संवर्धन और ऋण के लिए समायोजनों की अनुमति देने के बाद कारखाना द्वार पर बिक्री मूल्य *** के डब्ल्यू प्रति किग्रा० बनता है। घरेलू बिक्री के अलग-अलग सौदों की तुलना कम्पनी के लिए निर्धारित उत्पादन लागत जमा एसजीए के साथ की गयी थी और यह पाया गया था कि घरेलू बिक्रियाँ व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गयी थीं। कारखाना द्वार पर घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित सामान्य मूल्य *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन बनता है।

18. कोरिया गणराज्य के लिए निर्यात कीमत

कम्पनी ने जाँच अवधि के दौरान भारत को *** मी० टन फ्लैक्सिबल स्लैब स्टॉक पोलिआल का निर्यात किया था। ये बिक्रियाँ सीआईएफ भारतीय पत्तन/आईसीडी डिलीवरी शर्तों पर अलग-अलग ग्राहकों को की गयी थीं। भुगतान की शर्तें *** दिन के ऋण पर साखपत्र के अनुकूल थीं। कम्पनी ने छूट, अन्तर्देशी भाड़े, टर्मिनल हैंडलिंग प्रभार सहित नौवहन लागत, पैकिंग प्रभार, विदेशी भाड़े और बीमा के लिए समायोजन दर्शाये हैं। कारखाना द्वार पर भारत औसत निर्यात कीमत *** अम० डा० प्रति मी० टन बनती है। निर्यातक ने निर्यात कीमत में पुनः जोड़ने के लिए आयात शुल्क की प्रति अदायगी हेतु *** प्रति किग्रा० का समायोजन दर्शाया है। इसका सत्यापन कम्पनी द्वारा

दायर शुल्क वापसी के दावों के संदर्भ में किया गया था जो *** प्रति किग्रा 10 था । यह *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन बनता है । इसे जोड़ने के बाद निवल निर्यात कीमत *** अमरीकी डालर प्रति मी० टन बनती है ।

19. कोरिया गणराज्य के अन्य असहयोगी निर्यातक

कोरिया गणराज्य से अन्य निर्यातकों के संबंध में जिन्होंने सहयोग नहीं किया था, प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातक हेतु उच्चतम बिक्री कीमत पर विचार किया है । निर्यात कीमत के लिए, सहयोगी निर्यातकों के निम्नतम बिक्री कीमत पर विचार किया गया है । उचित समायोजन की अनुमति दी गयी है । अन्य असहयोगी निर्यातक के लिए *** अम०डालर प्रति मी० टन सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है । *** अम०डालर प्रति मी० टन निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है ।

20. पाटन मार्जिन

प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य का निर्धारण, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन को शासित करने वाले सिद्धांतों के अंगीकरण के सतत व्यवहार का अनुसरण किया था । पाटन मार्जिन का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-6 में निर्धारित सिद्धांत के अनुसरण में निर्यात कीमत की उचित तुलना सामान्य मूल्य के साथ करने के आधार पर की गयी है । यह तुलना व्यापार के उसी स्तर अर्थात् कारखाना द्वार स्तर पर की गयी है । कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य की तुलना 3000 से 4000 आणविक भार वाले फ्लैक्सिबल स्लैब स्टॉक पोलिआल की संगत तुलनीय किस्म के कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के साथ की गयी है । उपर्युक्त निर्धारण के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने निम्नलिखित पाटन मार्जिन (%) का निर्धारण किया है ।

	चीन	ताइवान	ब्राजील	एस के सी - कोरिया	कोरिया - अन्य
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	58.54	63.01	79.07	37.01	56.87

घ. घरेलू उद्योग की क्षति

21 पाटनरोधी नियमों के नियम 11 में निम्नलिखित व्यवस्था है:

" क्षति का निर्धारण:

- (1) निर्दिष्ट देशों से हुए आयातों के मामले में, निर्दिष्ट प्राधिकारी यह जांच परिणाम भी दर्ज करेंगे कि भारत में ऐसी वस्तु के आयात से स्थापित उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है अथवा उसे क्षति होने का खतरा है अथवा उससे भारत में किसी उद्योग की स्थापना में वास्तविक रूप से बाधा उत्पन्न होती है;
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमतों पर उनके प्रभाव और इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत

तथ्यों पर विचार करते हुए और इन नियमों के अनुबंध- II में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई क्षति, घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के खतरे, घरेलू उद्योग की स्थापना में आने वाली वास्तविक बाधा और पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का मूल्यांकन करेंगे।¹⁹

22. क्षति के निर्धारण के लिए सिद्धांत पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में दिए गए हैं जिसके अनुसार:

क. क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव दोनों की तथ्यात्मक जांच शामिल होगी।

ख. पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उपरोक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में अथवा समग्र रूप में पाटित आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। नियम 18 के उप नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से कीमतों में महत्वपूर्ण कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से महत्वपूर्ण सीमा तक अन्यथा कीमतों में कमी करना है अथवा कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा महत्वपूर्ण सीमा तक हो गयी होती।

23. प्राधिकारी क्षति निर्धारण और कारणात्मक संबंधों के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों का स्मरण करते हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों के पश्चात निर्यात मै0 डो क्विमिका, ब्राजील और ब्राजील तथा कोरिया गणराज्य की सरकारों द्वारा निम्नलिखित तर्क दिए गए हैं :

(i) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री उत्पादन, क्षमता उपयोग को बढ़ाया है और अपनी सामान सूची को महत्वपूर्ण रूप से कम किया है तथा पूर्ववर्ती वर्ष 2001-2002 की तुलना में प्रति इकाई हानि को कम करने में सफल हुआ है। जब जांचाधीन आयात जांच अवधि के दौरान बढ़ते हैं तो घरेलू उद्योग उबरता है।

(ii) रोजगार के संबंध में विश्लेषण अधीन दूसरी अवधि (2001-02) के लिए रोजगार स्तर के विकास के संबंध में कोई आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए थे।

(iii) इस दावे के संबंध में कि घरेलू उद्योग कोई मजदूरी वृद्धि प्रदान करने में सक्षम नहीं था, यह नोट किया जाना चाहिए कि प्रारंभिक जांच परिणामों में शामिल सूचना के अनुसार याचिकाकर्ता के कुल उत्पादन में समान उत्पाद का हिस्सा बहुत कम है। कंपनी द्वारा कार्यान्वित मजदूरी संबंधी नीति का पर्याप्त विश्लेषण करते समय कंपनी द्वारा उत्पादित अन्य उत्पादों को ध्यान में रखना चाहिए।

(iv) आयातों के स्तर के लिए प्राधिकारी को उनके निष्पादन का विश्लेषण अधिकारिक आयात आंकड़ों के आधार पर करना चाहिए और याचिकाकर्ता अथवा तीसरे पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर नहीं। प्रारंभिक जांच परिणामों में प्रयुक्त आयातों संबंधी आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए भी निष्कर्ष यह होना चाहिए कि आरोपित पाटित आयातों में वृद्धि घरेलू मांग में तेजी, भारी मांग को पूरी तरह पूरा करने की उत्पादक की असमर्थता और अन्य मूल से आयातों संबंधी प्रतिबंधों के कारण थी। अतः यह कथित पाटित आयातों में वृद्धि नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

(v) आयातों में वृद्धि अनिवार्य थी क्योंकि घरेलू उद्योग बढ़ती हुई मांग को पूरा नहीं कर सका। पोलिऑल की मांग 15 प्रतिशत प्रति वर्ष पर बढ़ रही है और घरेलू उद्योग के पास 14000 मी.टन की कुल क्षमता के दो

संयंत्र हैं। याचिकाकर्ता ने संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए अपनी क्षमता के केवल 50 प्रतिशत का उपयोग किया है और शेष का प्रयोग पोलिऑल के विभिन्न ग्रेडों के उत्पादन के लिए किया जा रहा है।

(vi) उपर्युक्त के मदेनजर तार्किक रूप से यह नहीं प्रकट किया जा सकता कि पाटन के प्रभाव के जरिए आरोपित पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं।

(vii) भारत के संबद्ध पण्य के कुल आयातों में संपूर्ण रूप में वृद्धि नहीं हुई है इसके विपरीत आयातों की मात्रा जांच अवधि के दौरान वर्ष 2001-02 में हुए 5546.67 मी.टन से गिरकर 3532.34 मी.टन हो गयी जिनके वार्षिक आंकड़े 4709.79 बैठते हैं।

viii. नकद प्रवाह में कमी अनेक कारणों अर्थात् नकद प्रवाह के कुप्रबंधन के परिणामस्वरूप हो सकती हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों से यह प्रदर्शित होता है कि क्या कथित नकद घाटे या नकद प्रवाह में कमियाँ संबद्ध वस्तुओं द्वारा की गई हैं अथवा नहीं।

ix. मनाली ने वर्ष 1998 और दिसम्बर, 2001 में क्रमशः रक्षोपायों और पाटनरोधी उपायों के जरिए बार-बार संरक्षण की माँग की है। तथापि, मनाली की प्रतिस्पर्धी क्षमता और दक्षता में सुधार नहीं हुआ है। पाटनरोधी शुल्क को लागू करके संरक्षण से संभवतः विदेशी उत्पादकों से अधिक प्रतिस्पर्धा के अभाव में मनाली की एकाधिकारी स्थिति और सुदृढ़ होगी।

24. घरेलू उद्योग ने क्षति के मुद्दे पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों का खण्डन किया है। 'तुलन पत्र के अनुसार घरेलू उद्योग की पोलियोल उत्पादन क्षमता 14,000 मी.टन है। तथापि, संयंत्र का डिजाइन, निर्माण एवं परीक्षण 15550 मी.टन की क्षमता के लिए किया गया है, जिसे उपयुक्त प्रक्रिया में सुधार करके 23000 मी.टन तक बढ़ाया जा सकता है। एफ एस पी के लिए उपलब्ध क्षमता 11250 मी.टन की है। घरेलू उद्योग ने 11250 मी.टन की क्षमता की तुलना में 8049 मी.टन (वार्षिक) एफएसपी का उत्पादन किया है जिसका अर्थ क्षमता का 72% उपयोग है। पोलियोल संयंत्र का समग्र क्षमता उपयोग 78% से अधिक है। ऐसा कोई वैधानिक या युक्तिसंगत कारण नहीं है जिससे यह संकेत मिलता हो कि घरेलू उद्योग यदि उच्च उत्पाद की संपूर्ण माँग को पूरा नहीं करता है तो पाटनरोधी शुल्क लागू करने का दावा नहीं कर सकता है। जहाँ तक इन तर्कों का संबंध है कि मै0 मनाली पेट्रोकेमिकल्स एकाधिकार स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यदि वे बाजार को एकाधिकारी बनाने की स्थिति में होते तो उन्हें अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए लगातार अपनी कीमतें नहीं घटानी पड़ती। एक उत्पादक की मौजूदगी का अर्थ एकाधिकार नहीं है। जहाँ तक घरेलू उद्योग को हुए नुकसान का संबंध है, वर्ष 2000-01 और 2001-02 में अमरीका, सिंगापुर, जापान और यूरोपीय संघ (ईयू) से पाटन हुआ था। अमरीका, सिंगापुर, जापान और ईयू से होने वाले निर्यातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू होने (दिनांक 11.2.2002 से पाटनरोधी शुल्क लागू किए गए थे) के बाद से घरेलू उद्योग को अपनी स्थिति में सुधार करने की आशा है। तथापि चीन, कोरिया, ताईवान और ब्राजील से एफएसपी के पाटन के कारण स्थिति और बदतर हुई थी। घरेलू उद्योग अपने उत्पादन क्षमता उपयोग एवं बिक्रियों में वृद्धि करने के बावजूद लाभ और अपने निवेशों पर तर्कसंगत आय अर्जित नहीं कर पाया था। पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमतों में और गिरावट आई यद्यपि इस अवधि के दौरान प्रमुख कच्ची सामग्रियों की लागत में वृद्धि हुई थी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

2.5. क्षति का संचयी मूल्यांकन

अनुबंध 2(iii) के अनुसार उन स्थितियों में जहां किसी उत्पाद के एक से अधिक देश से आयातों को एक ही समय पाटनरोधी जांच का विषय बनाया जाता है, प्राधिकारी द्वारा ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित है। केवल तब इससे यह निर्धारित होता है कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित किया गया पाटन मार्जिन 2% से अधिक है जिसे निर्यात कीमत की प्रतिशतता के रूप में अभिव्यक्त किया गया है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का 3% है- और

(ख) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में उचित है। प्राधिकारी ने पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है। आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाओं और आयातित उत्पादों एवं समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों का आकलन करने की दृष्टि से प्राधिकारी के विचार निम्नानुसार हैं :-

- i. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है।
- ii. प्राधिकारी ने पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित लोचशील स्लेबस्टोक पोलियोल की वाणिज्यिक प्रतिस्थापक है। फोम के घरेलू उत्पादकों ने संबद्ध वस्तु का आयात किया है तथा इसे घरेलू उत्पादकों से भी प्राप्त किया है। अतः घरेलू समान वस्तु के साथ आयातित संबद्ध वस्तु की पूर्ण प्रतिस्थापनीयता है।
- iii. आयातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना से इस बात का युक्तियुक्त संकेत मिलता है कि अलग-अलग संबद्ध देशों से किए गए निर्यात एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि ये समान उत्पाद हैं यद्यपि इनकी कीमतों में देशवार अंतर हो सकता है।
- iv. अतः प्राधिकारी ने आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और आयातित उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की दशाओं के आलोक में घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों का संचयी मूल्यांकन करना उचित समझा था।

26. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उठायी जा रही क्षति के दावे के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया है। इस तर्क के संबंध में कि पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से या भारत में खपत के संबंध में वृद्धि के बारे में कोई जांच परिणाम नहीं है, प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों का स्मरण करते हैं जिसमें उन्होंने पैरा 39 और 40 में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से और देश में उत्पाद की मांग के संबंध में वृद्धि का स्पष्ट निर्धारण किया था।

प्राधिकारी द्वारा विभिन्न क्षति मानदण्डों संबंधी सूचना का परीक्षण एवं विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :

27. आयातों की मात्रा

प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रकाशित अधिकृत आंकड़ों में प्रदर्शित संबद्ध वस्तुओं के आयात संबंधी सूचना, गौण स्रोतों के आधार पर आवेदन में उपलब्ध सूचना, निर्यातक एवं कुछेक आयातकों के उत्तरों पर विचार किया है। जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया जा चुका है डीजीसीआईएंडएस द्वारा शीर्ष 3907.20 के अंतर्गत प्रकाशित आंकड़ों में वे पॉलरॉल भी शामिल हैं जो इस जांच की विषय वस्तु नहीं है। चूंकि ये आंकड़े संबद्ध पॉलरॉल के वास्तविक निर्यातों से काफी अधिक हैं, इसलिए इन आयातों पर यथास्थिति विश्वास करना उचित नहीं होगा। संबद्ध पॉलरॉल के विषय में गौण स्रोतों से प्राप्त सूचना तथा सहयोगी निर्यातक एवं कुछेक आयातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों का निम्नानुसार मूल्यांकन किया है जो इन परिस्थितियों में उचित प्रतीत होता है।

आयात (मी. टन)	2000-01	2001-02	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिक
चीन	48	33.6	952.8	
ताईवान	0	16.8	1144.79	
कोरिया	16.8	1060.6	861	
ब्राजील	0	0	1015	
संबद्ध देशों का कुल	64.8	1111	3973.59	5298.12
अन्य	3276.3	4486	120.7	160.93
कुल	3341.1	5597	4094.29	5459.05
कुल आयातों में संबद्ध देशों का % हिस्सा	1.93%	19.84%	97.05%	97.05%

आयातों की मात्रा वर्ष 2000-01 में 64 मी.टन से बढ़कर वर्ष 2001-02 में 1111 मी.टन तथा जाँच अवधि के दौरान बढ़कर 3973 मी.टन हो गई थी। संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा वर्ष 2000-01 में 1.93% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान कुल आयातों का 97.05% हो गया था। तथापि, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

28. बाजार हिस्सा :

प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा तथा संबद्ध देशों से आयात निम्नानुसार रहे हैं :-

	2000-01	2001-02	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिक
आयात- कुल	3341.1	5597	4094.29	5459.05
घरेलू बिक्री	***	***	***	***
मांग	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	64.8	1111	3973.59	5298.12
अन्य देशों से आयात	3276.3	4486	120.7	160.93
मांग में हिस्सा- संबद्ध देशों से आयात	0.61	8.94	36.18	36.18
मांग में हिस्सा- घरेलू उद्योग	68.30	54.98	62.73	62.73
मांग में हिस्सा- अन्य देशों से आयात	31.09	36.08	1.09	1.09

प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों का हिस्सा वर्ष 2000-01 के दौरान 0.61% से जांच अवधि के दौरान बढ़कर 36.18% हो गया है। अतः देश में उत्पाद की मांग की तुलना में संबद्ध देशों से पाटित आयातों में वृद्धि हुई है। कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा वर्ष 2000-01 में 68.3% से घटकर जांच अवधि के दौरान 62.73% रह गया है।

29. उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

घरेलू उद्योग का उत्पादन एवं क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है :-

	2000-01	2001-02	जांच की अवधि
क्षमता	11250	11250	8438
उत्पादन	7316.15	7129.45	6057
क्षमता उपयोग का %	65.03	63.37	71.79

प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जांच अवधि के दौरान सुधार हुआ है।

30. बिक्री मात्रा

घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा वर्ष 2000-01 में *** मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान *** मी.टन (वार्षिक आधार पर) हो गई तथा सूचीबद्ध आंकड़े निम्नानुसार हैं :-

वर्ष	बिक्री मात्रा (मी. टन)	इकाई कीमत रु./मी. टन
2000-01	100	100
2001-02	95	92.53
अप्रैल-दिसम्बर 2002 (जांच की अवधि- वार्षिक)	127.6	91.05

प्राधिकारी पाते हैं कि पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों की मात्रा में वृद्धि हुई है। तथापि, इकाई मूल्य प्राप्ति में गिरावट आई है।

31. भंडार सूची :

बिक्री के प्रतिशत के रूप में तैयार स्टॉक की भंडार सूची निम्नानुसार है :-

	2000-01	2001-02	जाँच की अवधि
मी. टन	***	***	***
बिक्री का %	***	***	***
सूचीबद्ध	100	137.31	28.05

प्राधिकारी पाते हैं कि मार्च, 2002 को समाप्त पिछले वर्ष की तुलना में जाँच अवधि के अंत तक घरेलू उद्योग की तैयार वस्तुओं की भंडार सूची में काफी गिरावट आई है।

32. कीमत कटौती

प्राधिकारी पाते हैं कि पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती निम्नानुसार रही है :-

	चीन	एस.के.सी. कोरिया	कोरिया अन्य	चीनी ताइपेई	ब्राजील
औसत निवल बिक्री प्राप्ति	***	***	***	***	***
पहुँच मूल्य	57165.69	***	59587.76	55694.26	50164.8063
कीमत कटौती	***	***	***	***	***
% कीमत कटौती	***	***	***	***	***
कीमत कटौती की रेंज	6-15%	3-12%	4-13%	7-16%	15-25%

33. कम कीमत पर बिक्री

प्राधिकारी पाते हैं कि पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कम कीमत पर बिक्री निम्नानुसार है :-

	चीन	एस.के.सी. कोरिया	कोरिया अन्य	चीनी ताइपेई	ब्राजील
पहुँच मूल्य	57165.69	***	59587.76	55694.26	50164.806
क्षतिरहित कीमत	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री का %	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री की रेंज	15-25 %	10-20 %	15-25 %	17-27 %	25-35%

घरेलू उद्योग के लिए समान वस्तु के लिए क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए इष्टतम उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए संबद्ध वस्तु की वास्तविक उत्पादन लागत का प्रयोग किया है जिसमें मानकीकृत सर्वोत्तम उपभोग मानकों तथा जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए उपभोग की गई कच्ची सामग्रियों की वास्तविक कीमत को शामिल किया जाएगा। प्रकटनों के उत्तर में घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई क्षतिरहित कीमत के बारे में और विवरण माँगे। इस संबंध में घरेलू उद्योग की टिप्पणियों पर भी विचार किया गया है।

34. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक :

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत कच्ची सामग्री की लागत और विभिन्न देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की कीमतों से जुड़ी हुई हैं। घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादकता बढ़ाई है, तथापि पाटित आयातों के कारण, बिक्री कीमत पर दबाव है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग को कीमत अवमूल्यन का सामना करना पड़ा है क्योंकि उत्पादन लागत बढ़ने के बावजूद पाटित आयातों के कारण वे उच्चतर बिक्री कीमत प्राप्त करने से वंचित रह गए।

35. पाटन मार्जिन की मात्रा :

प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन मार्जिन की मात्रा 37 से 79% की रेंज में रही है जिसे अत्यधिक माना गया है।

36. रोजगार :

कंपनी का रोजगार स्तर निम्नानुसार रहा है :-

2000-01	2001-02	जाँच की अवधि
576	469	430

जनशक्ति में वर्ष 2000-01 में 576 से जाँच अवधि के दौरान 430 तक अत्यधिक गिरावट आई है।

37. वेतन :

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान घरेलू उद्योग कोई वेतन वृद्धि अथवा पदोन्नति प्रदान करने में असमर्थ रहा है। सांविधिक अधिलाभ के अतिरिक्त सभी अधिलाभों में अत्यधिक कमी की गई है। प्रबंधन द्वारा कई बार निवेदन किए जाने के बावजूद कंपनी इस स्थिति में नहीं है कि औद्योगिक (विवाद एवं विनियमन) अधिनियम के अनुच्छेद 12(3) के अंतर्गत श्रमिक संघ के साथ नए वेतन, जो कि जनवरी, 2001 से लंबित है, के संबंध में समझौता कर सके।

ब्राजील सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया है कि कंपनी द्वारा कार्यान्वित की जा रही वेतन नीति के विश्लेषण में कंपनी द्वारा उत्पादित अन्य उत्पादों पर भी विचार किया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा उत्पादित पॉलिऑल्स की सभी किस्मों का बिक्री राजस्व वर्ष 2002-03 के लिए बिक्री राजस्व का लगभग 53% बनता है। अतः, कर्मचारियों के साथ नए वेतन के संबंध में समझौता करने में कंपनी की अक्षमता से पॉलिऑल्स के विनिर्माताओं के साथ संबंध रखने सहित कंपनी की समग्र स्थिति प्रदर्शित होती है।

38. लाभप्रदता :

नीचे दी गई सूचना के अनुसार घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु की प्रति इकाई बिक्री में प्रत्यक्ष घाटा उठाना पड़ा है :-

वर्ष	निवल बिक्री प्राप्ति (रु./मी. टन)	उत्पादन लागत (रु./मी. टन)	लाभ/हानि प्रति मी.टन सूचीबद्ध
2000-01	***	***	(-)100
2001-02	***	***	(-)243
अप्रैल-दिसंबर 2002(जाँच अवधि)	***	***	(-)360

प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध वस्तु की बिक्री में प्रति इकाई घाटे में पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में जाँच अवधि में काफी वृद्धि हुई है। चूंकि कंपनी को घाटा हो रहा है अतः निवेशों पर आय ऋणात्मक है।

39. गँवाई हुई संविदाओं के साक्ष्य

घरेलू उद्योग ने चीन के आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दिए गए इस अभिप्राय के ऑर्डरों की प्रतियों के रूप में ऑर्डरों को गँवाने के कुछ साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं।

40. नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव

प्राधिकारी पाते हैं कि घरेलू उद्योग ने जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की बिक्री पर नकद घाटा उठाया है जिससे कुल मिलाकर कंपनी के नकद प्रवाह स्थिति को क्षति पहुँची है।

41. संवृद्धि :

प्राधिकारी पाते हैं कि घाटे के कारण घरेलू उद्योग के लिए कोई नया निवेश करना व्यवहार्य नहीं होगा। तथापि, उत्पादन तथा संबद्ध वस्तु की बिक्री जैसे कारकों ने जाँच अवधि के दौरान सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाई है।

42. उत्पादकता

उत्पादकता निम्नानुसार रही है:

	2001-01	2001-02	जांच अवधि
उत्पादन मी.टन/कर्मचारी	***	***	***
सूचीबद्ध	100	119.68	147.87

43. क्षति संबंधी निष्कर्ष

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, क्षमता, उपयोगिता, बिक्रियां उत्पादकता जैसे कारकों से वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान सकारात्मक प्रवृत्ति का संकेत मिलता है। तैयार माल की माल सूची भी कम हो गयी है। तथापि, संबद्ध वस्तुओं के कुल आयातों में संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा 1.93 प्रतिशत से अत्यधिक बढ़कर 97.05 प्रतिशत हो गयी है। पाटित आयातों की मात्रा में भी समग्र रूप से बढ़ोतरी हुई है। भारत में संबद्ध वस्तुओं की खपत के संबंध में भी पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है क्योंकि मांग में पाटित आयातों का हिस्सा वर्ष 2000-01 के दौरान 0.61 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 36.18 प्रतिशत हो गया है। घरेलू मांग में घरेलू बाजार का हिस्सा वर्ष 2000-01 के दौरान 68.3 प्रतिशत से घटकर जांच अवधि के दौरान 62.73 प्रतिशत रह गया है।

पाटित आयातों का कीमत प्रभाव पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई कीमत कटौती से स्पष्ट है। कीमत में मंदी भी हुई है। घरेलू उत्पादन ने कम कीमत पर बिक्री की स्थिति का भी सामना किया है क्योंकि पाटित आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है। संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में उद्योग को नकद घाटा हुआ है। अतः प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ड. कारणात्मक संबंध

44. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के नियम (v) के अनुसार पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की है।

यह तर्क दिए गए हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग 15 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है और घरेलू उद्योग के पास 11250 मी.टन उत्पादन करने की क्षमता है। ऐसी स्थिति में आयातों में वृद्धि अपरिहार्य है। यह भी तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता के पास अक्षम उत्पादन प्रक्रिया है और संयंत्र का आकार एवं कच्ची सामग्री की उपलब्धता अमितव्ययी है। यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उत्पादक ने रक्षोपायों और पाटनरोधी उपायों के जरिए बार-बार संरक्षण की मांग की है। पाटनरोधी शुल्कों के द्वारा संरक्षण से संभवतः मनाली को भारतीय बाजार में एकाधिकार का दर्जा प्राप्त हो जाएगा।

कारणात्मक संबंध के बारे में प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अभिव्यक्त विचारों पर विचार किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि लचीली स्लैबस्टॉक पॉलियोल के विनिर्माण के लिए घरेलू उद्योग द्वारा अपनायी गयी प्रौद्योगिकी निर्यातकों द्वारा अपनायी गयी प्रौद्योगिकी के साथ तुलनीय है। किसी निर्यातक की उत्पादन लागत की ज्ञात दक्षता संबंधी कोई दावा सामान्य तौर

पीछे इसकी बिक्री कीमतों और अंततः पाटन मार्जिन की गणना में प्रदर्शित होना चाहिए। ब्राजील, चीन और ताईवान से किसी भी निर्यातक ने अपनी उत्पादन लागत से संबंधित सूचना नहीं दी है। कोरिया से एकमात्र सहयोगी निर्यातक के आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी ने यह पाया है कि निर्यात पाटित कीमतों पर हुए हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादक विभिन्न देशों में स्थित उत्पादकों से प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है। उत्पादन लागतें प्रमुख कच्ची सामग्री प्रोपाइलीन की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। जांच के साक्ष्य से यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग द्वारा वसूल की गयी बिक्री कीमतों पर आयातित संबद्ध वस्तुओं की कीमतों का बड़ा प्रभाव पड़ा है। प्राधिकारी ने यह पाया कि संबद्ध वस्तुओं की मांग बढ़ रही है और घरेलू उत्पादक समकालीन प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर रहा है और इसलिए इन कारकों को क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है। अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात जांच अवधि के दौरान कम होकर 120 मी.टन हो गए हैं जो क्षति का कारण नहीं हो सकते हैं। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में भी बढ़ोतरी हुई है। प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई है। कोई अन्य वास्तविक कारक जो क्षति का कारण हो सकता है, प्राधिकारी के ध्यान में नहीं आया है।

च. भारतीय उद्योग के हित

45. पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है, जो कि देश के सामान्य हित में है।

46. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग करके विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं या उत्पादों के कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। उद्योग पर प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने पाटन और क्षति मार्जिनों से कम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना उपयुक्त समझा है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

छ. निष्कर्ष

47. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि:

- (i) 3000 से 4000 तक के आणविक भार की लचीली स्लैबस्टॉक पोलिओल का संबद्ध देशों से भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (iii) वास्तविक क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

48. संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझा गया है। तदनुसार, प्राधिकारी 3000 से 4000 तक के आणविक भार की लचीली स्लैबस्टॉक पोलिओल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा करते हैं।

49. यह निर्णय लिया गया है कि पाटन मार्जिन या इससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश की जाए जिसे यदि लगाया जाता है तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। तदनुसार यह अनुशंसा की जाती है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के अध्याय शीर्ष 3907 2000 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित 3000 से 4000 तक के आणविक भार की लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि और संबद्ध वस्तुओं के आयातों के अमरीकी डालर प्रति मी.टन में पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगा:

क्र.सं	उप-शीर्ष	माल का विवरण	निर्देश	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	3907.2000	लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल	आणविक भार 3000 से 4000	चीन जन. गण.	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1472.77	मी. टन	अमरीकी डालर
2	3907.2000	लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल	आणविक भार 3000 से 4000	कोई देश	चीन जन. गण.	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1472.77	मी. टन	अमरीकी डालर
3	3907.2000	लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल	आणविक भार 3000 से 4000	कोरिया गणराज्य	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1472.77	मी. टन	अमरीकी डालर
4	3907.2000	लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल	आणविक भार 3000 से 4000	कोई देश	कोरिया गणराज्य	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1472.77	मी. टन	अमरीकी डालर
5	3907.2000	लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल	आणविक भार 3000 से 4000	चीनी ताइपेई	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1472.77	मी. टन	अमरीकी डालर
6	3907.2000	लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल	आणविक भार 3000 से 4000	कोई देश	चीनी ताइपेई	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1472.77	मी. टन	अमरीकी डालर
7	3907.2000	लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल	आणविक भार 3000 से 4000	ब्राजील	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1472.77	मी. टन	अमरीकी डालर
8	3907.2000	लचीली स्लैबस्टॉक पोलियोल	आणविक भार 3000 से 4000	कोई देश	ब्राजील	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1472.77	मी. टन	अमरीकी डालर

50. इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख और 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

51. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 11 दिसंबर, 2003 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

52. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th November, 2004

Final Findings

Subject : Anti-dumping investigation concerning import of Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000 to 4000 from China PR, Republic of Korea, Taiwan and Brazil.

No. 14/4/2003-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

A. PROCEDURE:

2. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:-

- i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s Manali Petrochemicals Ltd., Manali, Chennai representing the domestic industry, alleging dumping of Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000 to 4000 (hereinafter referred to as subject goods) originating in and exported from People's Republic of China, Republic of Korea, Taiwan (hereinafter mentioned as Chinese Taipei) and Brazil (the said four countries are hereinafter referred to as subject countries);
- ii) The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iii) The Authority issued a Public Notice dated 21st May, 2003 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti

- dumping proceedings concerning imports of Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000 to 4000 covered under Chapter heading/subheading 3907.20, 3907.99 and 3907.91 of Schedule I of the Customs Tariff Act;
- iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers and to the complainants and gave them an opportunity to make their views known in writing;
 - v) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Embassies of subject countries in India;
 - vi) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods;
 - vii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the Petition to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) supra;
 - viii) The Embassies of the subject countries were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them;
 - ix) A questionnaire was sent to the known importers/users (as per details in the preliminary findings) of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);
 - x) The Authority notified preliminary findings vide notification dated 11th December, 2003 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - xi) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassies of subject countries in India with a request that the exporters/ producers of subject goods and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated above;
 - xii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to all the known exporters (whose details were made available by the Petitioner) other exporters who responded to the initiation notification, importers in India and they were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days from the date of the letter;
 - xiii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 17th February, 2004. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
 - xiv) The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7);

- xv) Arguments made by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties subsequently have been appropriately dealt in the disclosure statement and these findings;
- xvi) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 13th October, 2004 vide a disclosure statement and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- xvii) Cost investigations including spot verification (as deemed necessary) of the domestic industry were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the Petitioner;
- xviii) The Authority conducted on the spot verification of information furnished by the exporter M/s SKC Co. Ltd., Korea;
- xix) *** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- xx) The investigation covered the period from 1st April, 2002 to 31st December, 2002. The injury analysis covered the two preceding years 2000-2001, 2001-2002 and the POI.
- xxi) Copies of the Initiation Notice and Preliminary Findings were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc. for wider circulation.

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY.

3. The views expressed by various interested parties have been discussed in the preliminary findings and also in the disclosure statement. The views which have not been discussed earlier in the preliminary findings and disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paragraphs herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paragraphs herein below.

4. At the Preliminary Findings stage responses had been received from the following:

Exporters: -

- (i) M/s SKC Co., Ltd. Korea

- (ii) M/s Dow Quimica S.A., Brazil
- (iii) M/s Jin Hua Chemicals (Group) Corporation, China
- (iv) M/s Bayer Polyurethanes, Taiwan

Importers

- (i) M/s. Sheela Foam Pvt. Ltd., Ghaziabad
- (ii) M/s Joy Foam Pvt. Ltd., Chennai
- (iii) M/s Star Foam Pvt. Ltd., Chennai
- (iv) M/s Polyurathane Association of India, Ghaziabad

Subsequent to the preliminary findings and the public hearing, following interested parties have made submissions :

- (i) Domestic Industry
- (ii) M/s Dow Quimica - SA, Brazil - Exporter
- (iii) M/s SKC Co. Ltd., Seoul, Korea - Exporter
- (iv) Government of Republic of Korea - through their Embassy
- (v) Government of Republic of Brazil - through their Embassy

The submissions made by various interested parties had been dealt with in the preliminary findings and these are not being repeated here for the sake of brevity.

5. Product under Consideration :

The product under consideration in this investigation is Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000 to 4000 (hereinafter referred to as subject goods). The product is used to produce flexible slabstock foam. The product is covered under Customs heading 3907.20 of Schedule I of Customs Tariff Act and is also cleared under Chapter Heading 3907.99 and 3907.91. This Custom classification is however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. There are no arguments as regards the product under consideration. The Authority confirms the product under consideration as considered in the preliminary findings.

6. Like Article :

The petitioner has claimed that there is no difference between the product manufactured by them and the imported product. They have also stated that the subject product manufactured in India by the petitioner is commercially and technically substitutable to the imported product and hence all conditions of like article are satisfied. There are no arguments to oppose this claim. The Authority found that the domestic industry produces Flexible Slabstock Polyol of molecular weight 3000 to 4000. Based on the information received from exporters and importers, the Authority holds that the product being manufactured

by the domestic industry is like article to the subject goods being imported from subject countries.

7. Domestic Industry :

The application had been filed by M/s Manali Petrochemicals Ltd., Chennai. The applicant company is the sole producer of Flexible Slabstock Polyol of molecular weight 3000 to 4000 in India. Therefore, they represent the 100% domestic production of the subject goods. There is no other argument to oppose this position. The Authority, therefore, held that M/s Manali Petrochemicals Ltd. represents the 'Domestic Industry' within the meaning of Rule 2(b) supra.

8. Submission of Non-confidential Information :

It had been argued by the domestic industry that the non-confidential version of response of exporter M/s SKC Co. Ltd., Korea was inadequate and that there was no information or data which could be commented by them. The Authority has found that the exporter had furnished non-confidential response which contained summary of the response in respect of general information, sales, price structure and sales arrangement, accounting system and policies. The exporter had considered the information in the various appendices 1 to 9 as confidential. As this information relates to sales, adjustments, actual prices, cost of production, these have been treated as confidential. The Authority does not find the argument of the domestic industry as valid.

9. Inadequate and inaccurate information in application for initiation of investigation :

It has been argued by the exporter that the claim of domestic industry regarding the alleged dumping is based on constructed normal value. Information on critical issues of dumping, injury and causal link is not based on adequate data. It is bad in law to initiate anti dumping investigation on the basis of unsubstantiated allegations and unreliable data.

The Authority has examined these arguments and found that the DGCI&S data on imports of Polyol under Heading 3907.20, 3907.91 and 3907.99 is not dedicated for import of Flexible Slabstock Polyol alone. Under this heading, other grades of polyol like rigid, moulded and other speciality products are also imported. Therefore, relying completely on DGCI&S data would not have been appropriate in this case. Information based on secondary sources was therefore, considered to be more appropriate. The information from the secondary sources has also been corroborated and further supplemented by the response from the exporter from Korea and some importers. The Authority did not find the argument of the exporter maintainable regarding inadequacy and inaccuracy of the information relating to volume of imports, dumping, injury and causal link at the stage of initiation of investigation. The petitioner had furnished

information regarding the volume of imports of subject goods that could reasonably be assessed at the stage of making the application. The estimate regarding normal value in the subject countries was based on information relating to constructed normal value on the basis of information reasonably available in respect of cost of production of subject goods in the subject countries.

C. EXAMINATION OF CLAIMS REGARDING NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN.

10. Copy of Initiation Notice and Preliminary Findings were sent to the Embassies of subject countries, the exporters, importers and domestic industry. As brought out in the preliminary findings, the Designated Authority sent questionnaires to known exporters of the subject goods in subject countries. Responses were received from the following exporters:

- (i) M/s SKC Co., Ltd. Korea
- (ii) M/s Dow Quimica S.A., Brazil
- (iii) M/s Jin Hua Chemicals (Group) Corporation, China
- (iv) M/s Bayer Polyurethanes, Taiwan

However, only M/s SKC Co. Ltd. Korea had furnished questionnaire response which was also verified by the Authority by a verification visit to the Republic of Korea. Other exporters did not furnish questionnaire response and have been treated as non-cooperative.

Subsequent to the Preliminary Findings and the public hearing, comments were received from the following :

- (i) Domestic Industry
- (ii) M/s Dow Quimica – SA, Brazil – Exporter
- (iii) M/s SKC Co. Ltd., Seoul, Korea – Exporter
- (iv) Government of Republic of Korea – through their Embassy
- (v) Government of Republic of Brazil – through their Embassy

None of the interested parties have made any comments on the Disclosure Statement except the domestic industry. The arguments made by all the interested parties have been duly examined by the Authority in the succeeding paragraphs to the extent these were relevant to the investigation.

11. Normal value for Brazil

The Authority recalls the preliminary findings as regards normal value for Brazil. None of the exporters / producers from Brazil had furnished questionnaire response giving information regarding cost of production, domestic sales price,

adjustments etc. Only M/s Dow Quimica (Dow) from Brazil had made some statement about injury. The Authority considered the Brazilian producers/exporters as non-cooperative. In the preliminary findings, the Authority had determined normal value on the constructed cost of production on the basis of evidence furnished by the applicant, which included the cost of main raw material Propylene as reported in international journal and other elements of costs as available reasonably. Subsequent to the Preliminary Findings, the Brazilian Government has made arguments that, full explanation of the reasons for the methodology used in the establishment of normal value and export price has not been provided in the preliminary findings as required under Article 12.2 of the Agreement. Lack of such information makes it difficult to assess the methodology employed. In the absence of full explanation of the methodology used for the establishment of normal value and export price, an adequate assessment of the compliance with the 'fair comparison' provisions in Article 2.4 of the Agreement was not possible.

The Authority considered these arguments and found that in the absence of co-operation from Brazilian exporters, the Authority was justified in resorting to facts available in accordance with Article 6.8 read with Annex II. In the absence of information about domestic sales price of subject goods in Brazil and evidence about exports to other countries from Brazil, cost of production of Brazilian producers, the Authority considered it appropriate to determine normal value on the basis of a reasonable estimate of cost of production of subject goods in the country of origin plus a reasonable amount for administrative, selling and general costs and for profits. The applicant had furnished information in this regard in the application. The Authority considered the cost of major raw material Propylene during the POI for US region on the basis of published prices in Asian Chemical News. The cost of other raw materials, utilities, selling, general and administrative expenses have been taken on the basis of verified information of the domestic industry. A reasonable profit margin has been added to arrive at the normal value of US\$*** PMT.

12. Export Price for Brazil :

None of the exporters from Brazil have given information regarding export price. The Authority has considered the information furnished by the petitioner regarding export prices which is based on the data obtained from M/s International Data Services, Mumbai as stated in the non-confidential petition. The information furnished by importers corroborates the price of exports from Brazil. Adjustments from the average CIF price have been made on account of sea freight and insurance. The net export price arrived is US\$ *** PMT.

13. Normal Value for People's Republic of China

The Authority recalls the preliminary findings as regards normal value for China. None of the exporters / producers from China had furnished questionnaire

response giving information regarding cost of production; domestic sales price, adjustments etc. Only M/s Jin Hua Chemicals from China had given some information regarding invoices (in Chinese) of domestic sales and agency agreement etc. The information furnished could not be used for normal value determination in the absence of information regarding cost of production. The Authority considers the Chinese producers/exporters as non-cooperative. In the preliminary findings, the Authority had determined normal value on the constructed cost of production on the basis of evidence furnished by the applicant, which included the cost of main raw material Propylene as reported in international journal and other elements of costs as available reasonably. Subsequent to the Preliminary Findings, no information has been furnished by any Chinese producer / exporter. In response to the Disclosures, the domestic industry has argued that in the absence of response from Chinese exporter, the Authority should treat China as non-market economy and determine the normal value under the specific provisions meant for such economy.

The Authority finds that in the absence of co-operation from Chinese exporters, it was justified in resorting to facts available in accordance with Article 6.8 read with Annex II. Moreover, there is no response from any Chinese producer / exporter to rebut the presumption about non-market economy conditions. The applicant had furnished information with regard to constructed normal value in the application. Para 7 of Annexure 1 of Anti Dumping rules inter alia allows the Authority to determine the normal value in the case of non-market economy country on any other reasonable basis. Accordingly, the Authority has considered the cost of major raw material Propylene during the POI for North-East Asia region on the basis of published prices in Asian Chemical News. The cost of other raw materials, utilities, selling, general and administrative expenses have been taken on the basis of verified information of the domestic industry. A reasonable profit margin has been added to arrive at the normal value of US\$ *** PMT.

14. Export Price from P.R. China :

None of the exporters from PR China have given information regarding export price. The Authority has considered the information furnished by the petitioner regarding export prices which is based on the data obtained from M/s International Data Services, Mumbai as stated in the non-confidential petition. Adjustments have been made from the average CIF price on account of sea freight and insurance. The net export price arrived is US\$ *** PMT.

15. Normal Value for Chinese-Taipei

The Authority recalls the preliminary findings as regards normal value for Chinese-Taipei. None of the exporters / producers from Chinese-Taipei had furnished questionnaire response giving information regarding cost of production, domestic sales price, adjustments etc. Only M/s Bayer Polyurethanes from

Taiwan had given some general comments. Without any information relating to normal value determination, the Authority considers the producers/exporters from Chinese-Taipei as non-cooperative. In the preliminary findings, the Authority had determined normal value on the constructed cost of production on the basis of evidence furnished by the applicant, which included the cost of main raw material Propylene as reported in international journal and other elements of costs as available reasonably. Subsequent to the Preliminary Findings, no information has been furnished by any producer / exporter.

The Authority finds that in the absence of co-operation from Chinese-Taipei exporters, it was justified in resorting to facts available in accordance with Article 6.8 read with Annex II. In the absence of information about domestic sales price of subject goods in Chinese-Taipei and evidence about exports to other countries from Chinese-Taipei, cost of production of Chinese-Taipei producers, the Authority considered it appropriate to determine normal value on the basis of a reasonable estimate of cost of production of subject goods in the country of origin plus a reasonable amount for administrative, selling and general costs and for profits. The applicant had furnished information in this regard in the application. The Authority has considered the cost of major raw material Propylene during the POI for North-East Asia region on the basis of published prices in Asian Chemical News. The cost of other raw materials, utilities, selling, general and administrative expenses have been taken on the basis of verified information of the domestic industry. A reasonable profit margin has been added to arrive at the normal value of US\$*** PMT.

16. Export Price in respect of Chinese-Taipei

None of the exporters from Chinese-Taipei has given information regarding export price. The Authority has considered the information furnished by the petitioner regarding export prices which is based on the data obtained from M/s International Data Services, Mumbai as stated in the non-confidential petition. Adjustments have been made from the average CIF price on account of sea freight and insurance which have been allowed. The net export price arrived is US\$ *** PMT.

17. Normal Value for Republic of Korea :

M/s SKC Co. Ltd., Korea had furnished information in the questionnaire regarding domestic sales, exports to India, adjustments, sales price structure, cost of production etc. The Authority had conducted on the spot verification of the information furnished by the exporter.

The Company had given information regarding sales of *** MT of Flexible Slabstock Polyol during the POI i.e. April – December 2002. The exporter had shown adjustments from the domestic sales price on account of discount, inland freight, storage, advertisement, technical services, sales promotion and credit.

After allowing adjustments on account of discounts, credit, inland freight, storage, advertisement, technical services, sales promotion and credit, the sale value at ex-factory level comes to KW *** per Kg. Individual domestic sales transactions were compared with the cost of production plus SGA determined for the company and it was found that the domestic sales were in the ordinary course of trade. Normal value based on domestic sales price at ex-factory level comes to US\$ *** PMT.

18. Export Price for Republic of Korea :

The Company had exported *** MT of Flexible Slabstock Polyol to India during the POI. These sales were made to different customers on CIF Indian port/ ICD delivery terms. The payment terms were against LC at *** days credit. The company has shown adjustments on account of discount, inland freight, shipping cost including terminal handling charges, packing charges, overseas freight and insurance. The weighted average export price at ex-factory level comes to US\$*** PMT. The exporter has shown an adjustment of KW*** per kg towards import duty drawback to add back to the export price. This was verified with reference to the claims for drawback filed by the company, which was KW*** per kg. This comes to US\$ ***PMT. After adding this, the net export price comes to US\$ *** PMT.

19. Other Non-cooperative Exporters from Republic of Korea :

In respect of other exporters from Republic of Korea, who have not co-operated, the Authority has considered the highest domestic sale price of the co-operative exporter for normal value determination. For the export price, the lowest sale price to India of the co-operative exporter has been considered. Appropriate adjustments have been allowed. The normal value for other non-cooperative exporter has been determined as US\$ *** PMT. The export price has been determined as US\$ *** PMT.

20. Dumping Margin :

The Authority followed the consistent practice of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I to the anti-dumping rules. Dumping margins have been determined on the basis of a fair comparison of Export Price with the Normal Value in pursuance of the principle laid down in Para 6 of Annexure-1 to the Rules. The comparison is at the same level of trade, i.e. Ex-factory level. Normal Value at ex-factory level has been compared with the export price at ex-factory level of relevant comparable type of Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000 to 4000. Based on the Normal Value and export price as determined above, the Authority has determined the following dumping margins (%):

	China	Chinese-Taipei	Brazil	SKC-Korea	Korea-Others
Normal Value \$PMT	***	***	***	***	***
Export Price \$PMT	***	***	***	***	***
Dumping Margin \$PMT	***	***	***	***	***
Dumping Margin %	58.54	63.01	79.07	37.01	56.87

D. INJURY TO THE DOMESTIC INDUSTRY

21. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:
"Determination of Injury:

(1) In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;

(2) The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules."

22. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

a. A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

b. While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

23. The Authority recalls the preliminary findings regarding injury determination and causal link. Subsequent to the preliminary findings, following arguments have been made by the exporter M/s Dow Quimica, Brazil and the Governments of Brazil and Republic of Korea :

(i) Throughout the POI, the domestic industry increased its sales, production, capacity utilization, significantly reduced its inventory and succeeded in reducing per unit losses as compared to the preceding year 2001- 02. When imports under investigation increased during POI, the domestic industry did recover.

(ii) With respect to employment, no data relating to the evolution of employment level for the second period under analysis (2001-02) was supplied.

(iii) With regard to the claim that the domestic industry was not able to grant any wage raises, it should be noted that, according to information contained in the preliminary findings, the share of the like product in the total production of the petitioner is a minor one. An adequate analysis of the wage policy implemented by the company should take into account the other products produced by the company.

(iv) As for the level of imports, Authority should have analyzed their performance on the basis of official import statistics and not on information supplied by the petitioner or third party. Even taking into account the data on imports utilized in the preliminary findings, the conclusion should have been that the increase in the alleged dumped imports was due to a surge in domestic demand, the incapacity of the producer to fully meet the stronger demand and restrictions already in place on imports from other origins. Therefore, it is not the increase in the alleged dumped imports which is causing injury to the domestic industry.

(v) The increase in imports was inevitable because the domestic industry could not satisfy a rising demand. The demand of Polyol is growing at 15% per annum and the domestic industry has two plants of total capacity of 14000 MT. The petitioner utilizes only 50% of its capacity for production of subject goods and remainder being used for production of different grades of Polyol.

(vi) In view of above, it cannot be logically demonstrated that the allegedly dumped imports are through the effects of dumping, causing injury to the domestic industry.

(vii) India's total imports of subject merchandise has not increased in absolute terms, on the contrary, the volume of imports decreased from

5546.67 MT in 2001-02 to 3532.34 MT during POI whose annualized figure comes to 4709.79.

(viii) Strains of cash flow may result from a variety of reasons i.e. mismanagement of cash flow. The preliminary findings do not show whether or not the alleged cash loss or strains on cash flow has been caused by the subject goods.

(ix) Manali has repeatedly sought protection through safeguard and anti dumping measures in 1998 and December, 2001 respectively. However, Manali's competitiveness or efficiency has not improved. Protection by imposition of anti dumping duty would probably only solidify Manali's monopolistic status in the Indian domestic market, eliminating further competition from foreign producers.

24. Domestic Industry has given rebuttals to the various arguments made by the interested parties on the issue of injury. The domestic industry's Polyol production capacity is 14000 MT as per Balance Sheet. However, the plant is designed, constructed and tested for a capacity of 15500 MT, which can be enhanced to 23000 MT by making suitable process modification. The capacity available for FSP is 11250 MT. The domestic industry has produced 8049 MT (annualized) FSP against a capacity of 11250 MT which means 72% of capacity utilization. The overall capacity utilization of Polyol plant is more than 78%. There is no legal or logical reason to suggest that the domestic industry cannot claim for imposition of anti dumping duty if it does not fulfill the entire demand of the product. As regards the arguments that M/s Manali Petrochemicals is trying to perpetrate a 'monopoly', the domestic industry has argued that if it was in a position to monopolize the market, then they were not required to drop their prices continuously to retain its market share. The existence of a single producer does not mean a monopoly. As regards the losses of the domestic industry, there was dumping from USA, Singapore, Japan and EU in the years 2000-01 and 2001-02. The domestic industry expected to improve its position after imposition of anti dumping duty on exports from USA, Singapore, Japan and EU (provisional duties were imposed from 11.2.2002). The situation, however, again worsened due to dumping of FSP from China, Korea, Taiwan and Brazil. The domestic industry could not earn profits and a reasonable return on its investment despite increase in its production, capacity utilization and sales. The selling prices dropped further during the POI as compared to the previous year, even though the cost of major raw material increased during this period.

Examination by the Authority :

25. Cumulative assessment of injury:

As per annexure-II (iii), in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article --- and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.

With a view to assess the conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product, the Authority's views are that :

- (i) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- (ii) The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced Flexible Slabstock Polyol. The domestic producers of foam have imported the subject goods as well as sourced from the domestic producer. Therefore, there is complete substitutability of the imported subject goods with the domestic like product.
- (iii) The information furnished by the Importers gives a reasonable indication that the exports made from the different subject countries compete in the same market as these are similar products though the pricing of these may vary from country to country.
- (iv) Therefore, the Authority finds it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product. The Authority finds that there is a cumulative effect of injury by imports of subject goods from subject countries on the domestic industry.

26. The Authority has considered the various arguments made by interested parties on the injury claimed to have been suffered by the domestic industry. The Authority has also conducted verification of information furnished by the domestic industry. As regards the argument that there is no finding regarding the increase in dumped imports in absolute terms or relative to the consumption in India, the Authority recalls the preliminary findings wherein it had made clear determination in para 39 and 40 regarding increase in dumped imports from

subject countries during the POI in absolute terms and in relation to the demand of the product of the country.

The information regarding the various injury parameters has been examined and analyzed by the Authority as under :

27. Volume of Imports :

The Authority has taken note of information regarding imports of subject goods as reflected by the official statistics published by the DGCI&S, information furnished in application based on secondary sources, the responses of the exporter and some importers. As earlier stated the data published by DGCI&S under Heading 3907.20 covered other polyols also which were not the subject matter of this investigation. Relying on these import figures as it is, would not have been appropriate as these were much higher than actual imports of subject Polyol. After taking into account the secondary source information relating to subject Polyol, the information provided by co-operative exporter and some importers, the Authority has assessed the imports of subject goods as under which under the circumstances appears to be appropriate.

Imports (MT)	2000-01	2001-02	POI	POI annualised
China	48	33.6	952.8	
Chinese-Taipei	0	16.8	1144.79	
Korea	16.8	1060.6	861	
Brazil	0	0	1015	
Sub. Countries Total	64.8	1111	3973.59	5298.12
Others	3276.3	4486	120.7	160.93
Total	3341.1	5597	4094.29	5459.05
% share of subject countries in total imports	1.93%	19.84%	97.05%	97.05%

The imports increased from 64 MT in 2000-01 to 1111 MT in 2001-02 and to 3973 MT during POI. There was an increase of imports from subject countries from 1.93% in 2000-01 to 97.05% as a share of total imports during the POI. Therefore, there was an increase in imports of subject goods from subject countries in absolute terms.

28. Market share:

The Authority finds that the market share of the domestic industry and the imports from the subject countries in the demand of subject goods has been as under :

	2000-01	2001-02	POI	POI annualised
Imports-total	3341.1	5597	4094.29	5459.05
Domestic sales	***	***	***	***
Demand	***	***	***	***
Imports from subject countries	64.8	1111	3973.59	5298.12
Imports from other countries	3276.3	4486	120.7	160.93
Share in demand-imports from subject countries	0.61	8.94	36.18	36.18
Share in demand-domestic industry	68.30	54.98	62.73	62.73
Share in demand- imports from other countries	31.09	36.08	1.09	1.09

The Authority finds that the share of imports of subject goods from subject countries has increased from 0.61% during 2000-2001 to 36.18% during POI. There is thus an increase in the dumped imports from subject countries in relation to the demand of the product in the country. The share of domestic industry in total demand has gone down from 68.3% in 2000-01 to 62.73% during the POI.

29. Production and Capacity Utilisation:

The production and capacity utilization of the domestic industry has been as under :

	2000-2001	2001-2002	POI
Capacity	11250	11250	8438
Production	7316.15	7129.45	6057
Capacity Utilization %	65.03	63.37	71.79

The Authority finds that there has been improvement in the capacity utilization of the domestic industry during the period of investigation in comparison to the earlier years.

30. Sales Volume:

Sales volumes of domestic industry increased from *** MT in 2000-01 to *** MT (on annualized basis) in POI and indexed figures are as under :

Year	Sales Volume (MT)	Unit Price Rs./MT
2000-2001	100	100
2001-2002	95	92.53

April- Dec. -2002 (POI-Annualized)	127.6	91.05
---------------------------------------	-------	-------

The Authority finds that the volume of sales of domestic industry have increased during the POI in comparison to earlier years. However, the unit value realization has gone down.

31. Inventory :

The inventory of finished stock as a percentage of sales has been as under :

	2000-01	2001-02	POI
MT	***	***	***
% of sales	***	***	***
Indexed	100	137.31	28.05

The Authority finds that the inventory of finished goods held by the domestic industry has declined considerably at the end of POI in comparison to the previous year closing on March, 2002.

32. Price Undercutting

The Authority finds that the price undercutting due to the dumped imports has been as under :

	China	SKC Korea	Korea Others	Taiwan	Brazil
Average NSR	***	***	***	***	***
Landed Value	57165.69	***	59587.76	55694.26	50164.80
Price Undercutting	***	***	***	***	***
%age Price Undercutting	***	***	***	***	***
Price under-cutting range	6-15%	3-12%	4-13%	7-16%	15-25%

33. Price underselling

The Authority finds the price underselling as a result of dumped imports as under

	China	SKC Korea	Korea Others	Taiwan	Brazil
Landed Value	57165.69	***	59587.76	55694.26	50164.80
NIP	***	***	***	***	***
Price underselling	***	***	***	***	***
% Price underselling	***	***	***	***	***
Price underselling range	15-25%	10-20%	15-25%	17-27%	25-35%

While determining the non-injurious price (NIP) for the like article for the domestic industry, the Authority has used the actual cost of production of the subject goods to determine optimum cost of production for the domestic industry which would take into account the normated best consumption norms and the actual price of the raw materials which are consumed for the production of the subject goods during the period of investigation. In response to the Disclosures, the domestic industry sought more details regarding the working of NIP which was provided by the Authority. Comments of the domestic industry in this regard have also been taken into account.

34. Factors affecting domestic prices :

The Authority notes that the selling prices of the domestic industry are linked to the raw material cost and the prices of imports of subject goods from different countries. The domestic industry has increased its productivity, however, the selling price was under pressure due to the dumped imports. The Authority notes that the industry has suffered from price suppression as they were prevented from realizing higher sales price due to dumped imports despite rising cost of production.

35. Magnitude of the margin of dumping :

The Authority finds that the magnitude of the margin of dumping of subject goods from the subject countries has been in the range of 37 to 79% which is considered significant.

36. Employment :

The employment level of the company has been as under :

2000-01	2001-02	POI
576	469	430

There has been a decline in manpower from 576 in 2000-2001 to 430 during the period of investigation.

37. Wages :

The Authority notes that the domestic industry has not been able to grant any increments or promotions during the last few years. All bonuses other than the statutory bonus have been reduced substantially. The company is not in a position even to conclude a fresh wage settlement with the labour union under Section 12(3) of the Industrial (Disputes & Regulation) Act which has been due since January 2001 despite numerous representations made to the management.

It has been argued by the Brazilian Government that the analysis of the wage policy implemented by the company should take into account the other products produced by the company. The Authority notes that sales revenue of all types of Polyols produced by the company accounts for about 53% of the sales revenue for the year 2002-03. Therefore, the inability of the company to enter into a fresh wage settlement with the employees reflects the overall situation of the company including that relating to manufacture of Polyols.

38. Profitability:

The domestic industry has suffered direct losses on per unit sale of subject goods as per information below :

Year	Net Sales Realization (Rs./PMT)	Cost of Production (Rs./PMT)	Profit/Loss PMT	Profit/Loss per MT Indexed
2000-01	***	***	***	(-) 100
2001-02	***	***	***	(-) 243
April-Dec. 2002 (POI)	***	***	***	(-) 360

The Authority finds that the per unit losses on the sale of subject goods have increased significantly during the POI in comparison to the earlier years. Since the company is suffering losses, the return on investments is negative.

39. Evidence of Lost Contracts

The domestic industry has produced some evidence of loss of orders in the form of copies of orders purportedly placed by suppliers from China.

40. Actual and potential negative effect on cash flows

The Authority finds that the domestic industry has suffered cash loss during the period of investigation in the sale of subject goods, which has caused strain on the cash flow position of the company as a whole.

41. Growth:

The Authority finds that because of losses, it would not be feasible for the domestic industry to make any new investment. However, factors such as production and sales of subject goods showed positive trends during the POI.

42. Productivity :

The productivity has been as under :

	2000-01	2001-02	POI
Production MT/employee	***	***	***
Indexed	100	119.68	147.87

43. Conclusions on injury:

The Authority notes that factors production, capacity utilization, sales, productivity indicate positive trend during the POI in comparison to the year 2000-01. The inventory of finished goods has also come down. The volume of dumped imports from subject countries has, however, increased significantly from 1.93% to 97.05% in the total imports of subject goods. The volume of dumped imports has increased in absolute terms. There is also an increase in the volume of dumped imports in relation to the consumption of the subject goods in India as the share of dumped imports in demand has increased from 0.61% during 2000-01 to 36.18% during the POI. The share of the domestic industry in the domestic demand has declined to 62.73% during POI from 68.3% during 2000-01.

The price effect of the dumped imports is evident from the price undercutting suffered by the domestic industry as a result of the dumped imports. There is also price depression. The industry also has suffered price underselling, as the landed value of dumped imports is significantly lower than the non-injurious price of the domestic industry. The industry has suffered cash losses in the sale of subject goods. The authority thus concludes that the domestic industry has suffered material injury.

E. CAUSAL LINK

44. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry the Authority has examined the effect of the dumped imports in accordance with principle (v) of Annexure-II of the Anti-Dumping Rules.

Arguments have been raised that the demand of subject goods is growing at the rate of 15% per annum and the domestic producer has a capacity to produce 11250 MT. In such a situation, increase in imports is inevitable. It has also been argued that the petitioner has inefficient production process, uneconomic plant size and availability of raw material. It has also been argued that the domestic producer has repeatedly sought protection through safeguard and anti dumping measures. Protection by anti dumping duties would probably grant Manali a monopoly status in the Indian market.

The Authority has considered the views expressed by the petitioners and other interested parties as regards the causal link. The Authority notes that the technology adopted by the domestic industry for the manufacture of Flexible Slabstock Polyol is comparable with that adopted by the exporters. Any claim of perceived efficiency of cost of production of any exporter should normally get reflected in its selling prices and eventually in the computation of dumping margin. None of the exporters from Brazil, China and Taiwan has given the information regarding their cost of production. Based on the verification of the data of the sole co-operative exporter from Korea, the Authority had found that exports are at dumped prices. The Authority also notes that the domestic producer is faced with the competition from producers located in various countries. The production costs are directly linked to the international prices of major raw material Propylene. The evidence of the investigation indicates that the selling prices realized by the domestic industry are largely impacted by the prices of the imported subject goods. The Authority found that the demand of the subject goods has been increasing and the domestic producer is using the contemporary technology and therefore, these factors cannot be attributed as the cause of injury. The imports of subject goods from other countries have come down to 120 MT during POI which cannot be the cause of injury. The productivity of the domestic industry has also increased. The Authority concludes that the material injury to the domestic industry has been caused due to the dumped imports from the subject countries. No other material factor that may be a cause of injury has come to the notice of the Authority.

F. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

45. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

46. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the subject goods or the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. With a view to minimize the impact on the downstream industry, the Authority has considered it appropriate to recommend anti dumping duty based on the lower of the dumping and injury margins. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

G. CONCLUSIONS

47. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000 to 4000 has been exported to India from subject countries below the normal value;
- (ii) The domestic industry has suffered material injury;
- (iii) The material injury has been caused cumulatively by the dumped imports from subject countries;

48. It is considered necessary to impose definitive anti-dumping duty on the imports of subject goods. Accordingly, the Authority recommends imposition of anti dumping duty on the imports of Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000 to 4000

49. It is decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. The landed price of imports was also compared with the non-injurious price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Accordingly, it is proposed that definitive anti-dumping duties be imposed on Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000 to 4000 originating in or exported from the subject countries falling under Chapter Heading 3907 2000 of the Schedule I of Customs Tariff Act. The anti-dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in Col. 9 in the following Table and the landed value of imports of the subject goods in US\$/MT:

S.No	Sub-Heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	3907.2000	Flexible Slabstock Polyol	Molecular Weight 3000 to 4000	P.R. China	Any country	Any producer	Any exporter	1472.77	MT	US\$
2.	3907.2000	Flexible Slabstock Polyol	Molecular Weight 3000 to 4000	Any country	P.R. China	Any producer	Any exporter	1472.77	MT	US\$
3.	3907.2000	Flexible Slabstock Polyol	Molecular Weight 3000 to 4000	Republic of Korea	Any country	Any producer	Any exporter	1472.77	MT	US\$
4.	3907.2000	Flexible Slabstock Polyol	Molecular Weight 3000 to 4000	Any country	Republic of Korea	Any producer	Any exporter	1472.77	MT	US\$

			4000							
5.	3907.2000	Flexible Slabstock Polyol	Molecular Weight 3000 to 4000	Chinese Taipei	Any country	Any producer	Any exporter	1472.77	MT	US\$
6.	3907.2000	Flexible Slabstock Polyol	Molecular Weight 3000 to 4000	Any country	Chinese Taipei	Any producer	Any exporter	1472.77	MT	US\$
7.	3907.2000	Flexible Slabstock Polyol	Molecular Weight 3000 to 4000	Brazil	Any country	Any producer	Any exporter	1472.77	MT	US\$
8.	3907.2000	Flexible Slabstock Polyol	Molecular Weight 3000 to 4000	Any country	Brazil	Any producer	Any exporter	1472.77	MT	US\$

50. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

51. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 11th December, 2003.

52. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority